विद्याश्री-न्यास

(पं. विद्यानिवास मिश्र एवं
श्रीमती राधिका देवी की स्मृति में स्थापित)

स्थापना—वर्ष : 2006

सारस्वत यात्रा : वर्ष 2023

2023 : पं. विद्यानिवास मिश्र जन्मदिवस समारोह

पं. विद्यानिवास मिश्र की स्मृति में उनके जन्मदिवस (14 जनवरी) के अवसर पर 'विद्याश्री' न्यास द्वारा वर्ष 2006 से प्रतिवर्ष राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाता है जिसमें किसी महत्त्वपूर्ण विषय पर विभिन्न सत्रों में विचार-गोष्ठियों के साथ ही कवि गोष्ठी एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होते हैं। वर्ष 2009 से राष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ ही भारतीय लेखक-शिविर की संरचना तथा 2020 से विद्यानिवास मिश्र स्मृति व्याख्यान भी जुड़ गया है। इस सांवत्सर आयोजन में महत्त्वपूर्ण योगदान के लिए कवियों, लेखकों, कलाकारों को विद्यानिवास मिश्र स्मृति सम्मान, लोककवि सम्मान, राधिका देवी लोककला सम्मान, श्रीकृष्ण तिवारी गीतकार सम्मान और पत्रकारिता सम्मान से अलंकृत किया जाता है।

विद्याश्री न्यास के लिए यह प्रसन्नता की बात है कि इस सारस्वत आयोजन में पूरे देश से रचनाकारों, चिंतकों, अध्येताओं एवं शोधार्थियों की भागीदारी की एक समृद्ध परम्परा विकसित हो सकी है, साथ ही समय-समय पर उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान, लखनऊ, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा एवं विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों का सहयोग न्यास को मिलता रहा है। इस शृंखला में अब तक 'आज का समय और साहित्य', 'संस्कृति और समन्वय', 'पं. विद्यानिवास मिश्र स्मृति संवाद', 'भाषा, शिक्षा एवं संस्कृति', 'आधुनिक हिन्दी कविता', 'इतिहास, परम्परा ओर आधुनिकता', 'लोक और शास्त्र : अन्वय और समन्वय', 'नारी चेतना और हिन्दी साहित्य', 'जयशंकर प्रसाद : सृजन यात्रा', 'हिन्दी साहित्य में सांस्कृतिक संवेदना और मूल्यबोध', 'कथेतर हिन्दी गद्य : परम्परा और प्रयोग', 'हिन्दी भाषा की परम्पराएँ : प्रयोग और संभावनाएँ', 'शिक्षा, दर्शन और समाज : प्रासंगिक विमर्श के प्रमुख आयाम', 'गांधी और हिन्दी सृजन-संदर्भ', 'भारत में भाषा-चिंतन की परम्पराएँ' तथा 'प्रमुख भारतीय भाषाएँ : समकालीन प्रवृत्तियाँ' आदि विषय पर राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी/वेबिनार एवं भारतीय लेखक शिविर सम्पन्न हो चुके हैं तथा इन संगोष्ठियों/व्याख्यानों से सम्बंधित विषय पर दो दर्जन पुस्तकें वाणी प्रकाशन, दिल्ली, सस्ता साहित्य मण्डल, दिल्ली, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज, उ.प्र. हिन्दी संस्थान, लखनऊ, राका प्रकाशन, प्रयागराज, प्रलेक प्रकाशन, मुम्बई एवं सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी से प्रकाशित हुई हैं। न्यास की शोध पत्रिका 'चिकितुषी' के कुछ विशेषांक भी इन विषयों पर केन्द्रित हैं।

राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं भारतीय लेखक-शिविर- विद्याश्री न्यास द्वारा लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पं. दीन दयाल उपाध्याय नगर, चन्दौली, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ तथा साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में 14-16 जनवरी 2023 को धर्मसंघ शिक्षा मण्डल, दुर्गाकुण्ड, वाराणसी और लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पं. दीन दयाल उपाध्याय नगर, चन्दौली में 'मध्यकालीन हिन्दी कविता : अवधारणाओं का पुनराविष्कार' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं भारतीय लेखक-शिविर का आयोजन किया गया।

इसके अकादमिक सत्र थे- रैदास, दादू, जायसी; सूरदास, तुलसी, मीरा, नंददास, रहीम, रसखान, केशव; बिहारी, घनानन्द, ठाकुर बोधा देव; मतिराम, भूषण, विद्यापति, पद्माकर, आलम और गिरिधर कविराय। समारोह के विशिष्ट अतिथि थे- प्रो. हरे राम त्रिपाठी (वाराणसी), मा. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' (लखनऊ), डॉ. अमिता दुबे (लखनऊ), डॉ. अरुणेश नीरन (देवरिया), डॉ. गिरीश्वर

मिश्र (गाजियाबाद), श्री के. सत्यनारायण (वाराणसी), डॉ. उदय प्रताप सिंह (वाराणसी), प्रो. वशिष्ठ अनूप (वाराणसी), श्री गुलाब चन्द्र, श्री राजेश कुमार तिवारी (पं. दी.द.उ. नगर), प्रो. श्रद्धा नन्द (वाराणसी), श्री राजेश कुमार गौतम (वाराणसी)।

प्रमुख वक्तागण थे- सर्वश्री आनंदवर्धन (वाराणसी), कमलाकर त्रिपाठी (वाराणसी), रामसुधार सिंह (वाराणसी), चितरंजन मिश्र (गोरखपुर), वंदना मिश्र (मिर्जापुर), अखिलेश कुमार दुबे (प्रयागराज), सत्यप्रिय पाण्डेय (दिल्ली), इन्दीवर (वाराणसी), बलराज पाण्डेय (वाराणसी), त्रिभुवननाथ शुक्ल (जबलपुर), बिजेंद्र पाण्डेय (दी.द.उ. नगर), दिलीप सिंह (अमरकण्टक), नीलम सिंह (वाराणसी), प्रेमशीला शुक्ला (अहमदाबाद), माधवेंद्र पाण्डेय (शिलांग), सतीश पाण्डेय (मुंबई), अवधेश प्रधान (वाराणसी), अनंत मिश्र (गोरखपुर), विश्वास पाटिल (शहादा), सत्यप्रकाश पाल (वाराणसी), श्यामसुंदर पाण्डेय (मुंबई), निलिम्प त्रिपाठी (भोपाल), श्रीनिवास पाण्डेय (वाराणसी), सत्यदेव त्रिपाठी (मुम्बई), नरेन्द्र नाथ राय (वाराणसी), परितोष मणि (गाजियाबाद), क्रांतिबोध (गाजियाबाद), दिनेश पाठक (मुंबई), एम.गोविंद राजन (चेन्नई), अशोक नाथ त्रिपाठी (वर्धा), प्रकाश उदय (वाराणसी), रचना शर्मा (वाराणसी), प्रतिभा मिश्र (वाराणसी), सुनील कुमार मानस (जूनागढ़), प्रणव शास्त्री (पीलीभीत), सुमन जैन (वाराणसी), भारती गोरे (औरंगाबाद), उदयन मिश्र (पं. दी.द.उ.नगर), इशरत जहाँ (दी.द.उ.नगर)।

सहयोग- लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर, चन्दौली, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।

कला प्रदर्शनी- पं. विद्यानिवास मिश्र के जन्मदिवस समारोह के अवसर पर वर्ष 2014 से कला प्रदर्शनी का आयोजन भी जुड़ गया है जिसकी शुरुआत डॉ. राजकुमार सिंह ने की थी जो अब दिवंगत हो चुके हैं तथा इस वर्ष उनको श्रद्धांजलि देते हुए श्री राजेश गुप्ता के नेतृत्व में संभावना कला मंच द्वारा कला-प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें साहित्यकारों के रचनाओं के पोस्टर एवं विद्याश्री न्यास की चित्र-वीथि आदि शामिल थी।

पुस्तक-प्रदर्शनी- 2016 से राष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ पुस्तक प्रदर्शनी भी अनवरत आयोजित की जा रही है। इस क्रम में 2023 में भी पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें सेवक प्रकाशन, प्रलेक प्रकाशन, सोच-विचार पत्रिका एवं नान्दी पत्रिका आदि के स्टाल लगाए गए।

सम्मान-समारोह- प्रतिवर्ष विद्याश्री न्यास द्वारा दिये जाने वाले सम्मान-समारोह के अन्तर्गत 14 जनवरी 2023 को इस वर्ष का **आचार्य विद्यानिवास मिश्र स्मृति सम्मान श्री एम. गोविंद राजन** को, **लोककवि सम्मान** से **श्री अनिल ओझा 'नीरद'** को, **श्रीमती राधिका देवी लोक कला सम्मान श्री मन्नू यादव** को, **आचार्य विद्यानिवास मिश्र पत्रकारिता सम्मान श्री धर्मेंद्र सिंह** को तथा **श्रीकृष्ण तिवारी गीतकार सम्मान श्री हीरालाल मिश्र 'मधुकर'** को प्रदान किया गया।

पं. विद्यानिवास मिश्र की पुण्यतिथि (14 फरवरी) पर **पं. रामरूचि त्रिपाठी संस्कृत कवि सम्मान** से **डॉ. गायत्री प्रसाद पाण्डेय** को समादृत किया गया।

युवा समवाय- इसके अन्तर्गत युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने हेतु कविता, आलेख, निबंध, कहानी, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके अन्तर्गत **कविता** के लिए **डॉ. फिरोज खान** (वाराणसी), **आलेख** के लिए **श्री उदय प्रताप पाल** (वाराणसी), **निबंध** के लिए **श्री स्नेह द्विवेदी** (वाराणसी) और **कहानी** के लिए **श्री जीतू कुमार गुप्ता** (असम) को एवं **कागो मादो** (अरुणाचल प्रदेश) को सभी विधाओं में प्रस्तुति के लिए पुरस्कृत किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम- 16 जनवरी 2023 को राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं भारतीय लेखक शिविर के आयोजन के मध्य **बीजूमोनी बोरा** (असम) द्वारा **बिहू गायन एवं बिहू नृत्य** एवं **कागो मादो** (अरुणाचल प्रदेश) एवं **सुनीता राम** (असम) द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति की गई।

'चिकितुषी' एवं अन्य प्रकाशन का लोकार्पण- 14 जनवरी 2023 को विद्याश्री न्यास की वार्षिक पत्रिका **'चिकितुषी'** के 2023 अंक तथा 2023 की राष्ट्रीय संगोष्ठी से संबंधित पुस्तक **'मध्यकालीन कविता : विमर्श के नए आयाम'** (प्रलेक प्रकाशन) का लोकार्पण हुआ। इसके अलावा **'भारत में भाषा-चिंतन की परंपराएँ'** (हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज) एवं **'गंगा'** (वाणी प्रकाशन) पुस्तकें भी प्रकाशित हुईं।

पं. विद्यानिवास मिश्र की **रचनावली** का लोकार्पण 16 नवम्बर 2023 को नई दिल्ली में एन.एम.सी.डी. के सभागार में **स्वामी गोविंद देव गिरि महाराज**, कोषाध्यक्ष, रामजन्मभूमि न्यास, **प्रो. कृष्ण गोपाल**, सहकार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ तथा भूपेन्द्र यादव, केन्द्रीय मंत्री के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सम्पादक डॉ. दयानिधि मिश्र, प्रभात प्रकाशन के निदेशक प्रभात तथा साहित्य अकादमी के उपाध्यक्ष कुमुद शर्मा सहित बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी उपस्थित थे। रचनावली में कुल 21 खण्ड है तथा इसका प्रकाशन प्रभात प्रकाशन नई दिल्ली एवं महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है।

कवि-गोष्ठी- 14 जनवरी 2023 की संध्या समय **श्री चन्द्रभाल सुकुमार** की **अध्यक्षता** एवं **श्री अशोक सिंह** के **संचालन** में कवि-गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें **सर्वश्री हरिराम द्विवेदी, गिरिधर करुण, वशिष्ठ अनूप, सुरेन्द्र वाजपेयी, शिव कुमार पराग, धर्मेन्द्र गुप्त 'साहिल'** आदि कवियों ने काव्य-पाठ किया।

पं. विद्यानिवास मिश्र स्मृति व्याख्यान- इस शृंखला में दिनांक 14 जनवरी 2023 को **'मध्यकालीन कविता की भावभूमि'** विषय पर **पं. विद्यानिवास मिश्र स्मृति व्याख्यान** सम्पन्न हुआ जिसके **मुख्य वक्ता डॉ. श्यामसुंदर दुबे** और **अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र नाथ मिश्र** थे तथा **संचालन डॉ. शशिकला पाण्डेय** ने किया।

संस्कृत कवि-गोष्ठी

विद्याश्री न्यास, श्रद्धानिधि न्यास एवं श्रवण विद्या संकाय, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के संयुक्त तत्त्वावधान में पं. विद्यानिवास मिश्र की पुण्यतिथि (14 फरवरी) पर संस्कृत कवि गोष्ठी का आयोजन योग साधना केंद्र, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी में किया गया जिसकी अध्यक्षता प्रो. हरेराम त्रिपाठी ने एवं संचालन प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी ने किया। काव्य-पाठ करने वालों में सर्वश्री कौशलेंद्र पाण्डेय, उपेंद्र पाण्डेय, गायत्री प्रसाद पाण्डेय, पवन कुमार शास्त्री, चंद्रकांता राय, कमला पाण्डेय एवं शिवराम शर्मा प्रमुख रहे।

संस्कृत कवि गोष्ठी के अवसर पर ही पं. विद्यानिवास मिश्र द्वारा प्रवर्तित श्रद्धानिधि न्यास द्वारा संकल्पित **व्याख्यानमाला** के

विद्याश्री न्यास के नवीन प्रकाशन

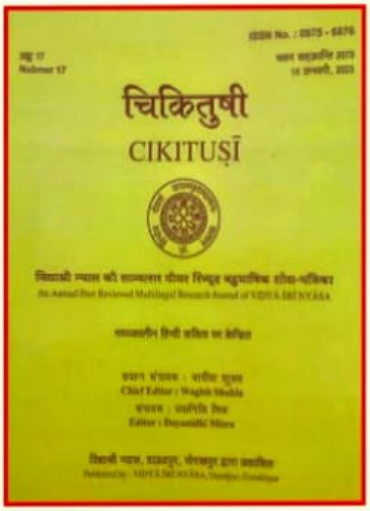

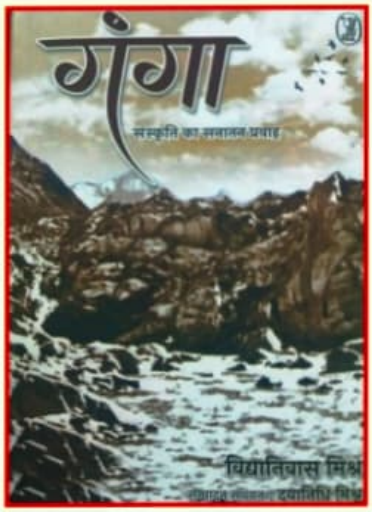

विद्याश्री न्यास द्वारा 2023 में सम्मानित विभूतियाँ तथा स्मृति व्याख्यान के वक्ता

आचार्य विद्यानिवास मिश्र स्मृति सम्मान
श्री एम. गोविंद राजन

आचार्य विद्यानिवास मिश्र लोककवि सम्मान
श्री अनिल ओझा 'नीरद'

श्रीमती राधिका देवी लोककला सम्मान
श्री मन्नू यादव

श्रीकृष्ण तिवारी गीतकार सम्मान
श्री हीरा लाल मिश्र **'मधुकर'**

आचार्य विद्यानिवास मिश्र पत्रकारिता सम्मान
श्री धर्मेन्द्र सिंह

रामरुचि त्रिपाठी संस्कृतकवि-सम्मान
श्री गायत्री प्रसाद पाण्डेय

आचार्य विद्यानिवास मिश्र स्मृति व्याख्यान
श्री श्याम सुन्दर दूबे

विद्याश्री न्यास द्वारा 2024 में सम्मानित होने वाली विभूतियाँ तथा स्मृति व्याख्यान के वक्ता

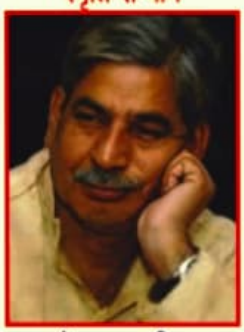
आचार्य विद्यानिवास मिश्र स्मृति सम्मान
प्रो. अनन्त मिश्र

आचार्य विद्यानिवास मिश्र लोककवि सम्मान
श्री कमलेश राय

श्रीमती राधिका देवी लोककला सम्मान
श्री मंगल यादव

श्रीकृष्ण तिवारी गीतकार सम्मान
श्री चन्द्रभाल सुकुमार

आचार्य विद्यानिवास मिश्र पत्रकारिता सम्मान
श्री रजनीश त्रिपाठी

आचार्य विद्यानिवास मिश्र स्मृति व्याख्यान
डॉ. ब्रजेंद्र कुमार सिंघल

'पं. विद्यानिवास मिश्र रचनावली' का लोकार्पण समारोह

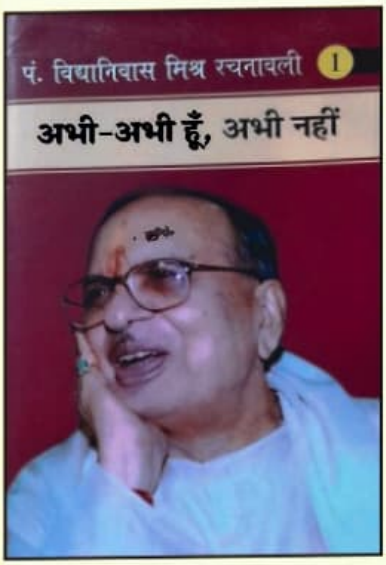

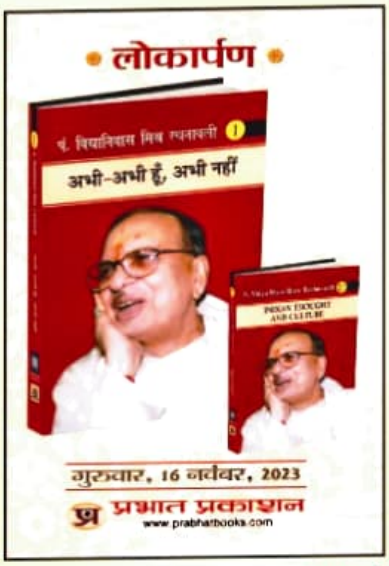

रचनावली' के आवरण-चित्र

विद्याश्री न्यास के 2023 के आयोजनों की झाँकी